संख्या-648/2018/1054/22-2-2018-17(347)/2017

प्रेषक,

अमर सेन सिंह,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 25 सितम्बर, 2018***

विषय:- जिला कारागार, बागपत में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी प्रेमसिंह ऊर्फ प्रेमी पुत्र श्री चन्दा निवासी जनपद-बागपत की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-21771/प्रोबे0-5-दया0(बैठक 15.05.2018) दिनांक 14.06.2018 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, बागपत में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी प्रेमसिंह ऊर्फ प्रेमी पुत्र श्री चन्दा, जो- ग्राम-बाघू, थाना-बागपत, जनपद-बागपत का रहने वाला है। बन्दी द्वारा जमीनी कब्जे के विवाद को लेकर दिनांक 20.07.1984 को 06 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर लाठी व बल्लम से मारकर 01 व्यक्ति की हत्या कारित की। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-668/1986 में भा0द0वि0 की धारा-302/149, 323/149, 147 के अन्तर्गत मा0 न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, न्यायालय सं0-09, मेरठ के आदेश दिनांक 23.06.1995 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 27.05.2014 द्वारा धारा-302/149 में दिये गये आजीवन कारावास की सजा को धारा-304(II)/149 में परिवर्तित करते हुए 08 वर्ष के कठोर कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 30.11.2017 तक 03 वर्ष 03 माह 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 03 वर्ष 11 माह 26 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण संतोषजनक है। मजिस्ट्रेट द्वारा बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति की गयी है लेकिन पुलिस अधीक्षक द्वारा बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बन्दी की काटी गयी सजा, कारित अपराध की प्रकृति व पुलिस अधीक्षक की संस्तुति के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- अत: उपरोक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी प्रेमसिंह ऊर्फ प्रेमी (बन्दी संख्या-142/16) पुत्र श्री चन्दा निवासी जनपद-बागपत की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दया याचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

(अमर सेन सिंह)
विशेष सचिव।

संख्या-648/2018/1054(1)/22-2-2018 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, बागपत।
2- अधीक्षक, जिला कारागार, बागपत ।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(करूणेश कुमार सिंह)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in